an>

Title: Need to declare 31st May, the birth anniversary of Ahilya Bai Holkar, as National Holiday.

श्री राजीव सातव (हिंगोली) ः महारानी अहिल्याबाई इतिहास-प्रसिद्ध मराठा सूबेदार मल्हारराव होलकर के पुत्र खंडेराव की पत्नी थी, जिसका जन्म 31 मई, 1725 में हुआ था, उन्होंने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर में कई धार्मिक और सामाजिक सुधार व विकास के कार्य कराये, प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए, घाट, कैंओं और बावड़ियों का निर्माण किया, मार्ग बनवाए, सुधरवाए, भूखों के लिए अन्नसत्र (अन्न क्षेत्र) खोले, प्यासों के लिए प्याऊ बिठलाई, मनन-चिंतन और पूवचन हेतु मंदिरों में विद्वानों की नियुक्ति की, इतना ही नहीं, वरन आत्म प्रतिष्ठा के झूठे मोह का त्याग करके जीवन भर सदा न्याय करने का प्रयत्न करती रहीं। इनके जीवनकाल में ही इन्हें जनता "देवी" समझने और कहने लगी थी। इतना बड़ा व्यक्तित्व जनता ने पहली बार देखा था। जब उस समय चारों और अराजकता फैली थी, शासन और व्यवस्था के नाम पर घोर अत्याचार हो रहे थे, आमजन, गृहस्थ, किसान मजदूर-अत्यंत हीन अवस्था में सिसक रहे थे, उनका एकमात्र सहारा-धर्म, अंधविश्वासों, भय, त्रासों और रूढ़ियों की जकड़ में कसा जा रहा था, न्याय में न शक्ति रही थी, न विश्वास, ऐसे काल की उन विकट परिस्थितियों में अहिल्याबाई ने जो कुछ किया वह चिरस्मणीय है। अहिल्याबाई अंधेरे में प्रकाश-किरण के समान थी, जिसे अंधेरा बार-बार ग्रसने की चेष्टा करता रहा, अपने उत्कृष्ट विचारों एवं नैतिक आचरण के चलते ही समाज में उन्हें देवी का दर्जा मिला।

उनके सम्मान में इंदौर में प्रति वर्ष भादूपद कृष्णा चतुर्दशी के दिन अहिल्योत्सव का आयोजन किया जाता है। आज जरूरत है कि उनके सम्मान में देश भर में उनकी जयन्ती 31 मई को राजकीय अवकाश घोषित किया जाय, सही मायने में उनके लिए यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।